तीन करोड़ घरों तक पहुंचा 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

आप सबको यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि 'पीस ऑफ माइंड चैनल' पहले केवल रियालंस डीटीएच के द्वारा ही देखा जाता था परंतु अब यह सेटेलाईट के द्वारा भी उपलब्ध हो गया है। जिसे आप घर बैठे केबल नेटवर्क के द्वारा देख सकते हैं। इस चैनल में मधुबन मुख्यालय से 24 घंटे प्रसारित देश-विदेश की सेवाओं के समाचार, अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारीज़, तनाव मुक्त शिविर सहित अनेक कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। इसे चैनल को आप केबल ऑपरेटर से विनम्र आग्रह कर प्रारंभ करवा सकते हैं। इसकी फ्रीक्वेंसी है -

"C" Band with Mpeg4 Receiver, "VISION SIKSHA"
Symbol - 13230, Polarisation- Horizontal Setellite-INSAT-4A
Contact For Any Enquiry - +919549991111, +918104777111, +918104777222 कार्यालय का पता - पीस ऑफ माइंड चैनल, शांतिवन, तलहटी, आबू रोड, राजस्थान, पिनकोड - 307510

सूचना

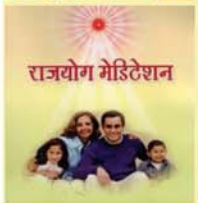

आप सभी पाठक की मांग पर राजयोग प्रदर्शनी माला की पुस्तक 'राजयोग मेडिटेशन' नवीन संस्करण के साथ गीता सार, हैप्पीनेस इंडेक्स, कथा सारिता उपलब्ध है। इसे आप ओम शांति मीडिया, शांतिवन कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना

ओम शांति मीडिया में दो सेवाधारी की आवश्यकता है। जो कि कम्प्यूटर तथा हिन्दी व अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना जरूरी है। वे शीघ्र से शीघ्र अपना बायोडाटा नीचे दिए गये ई-मेल पर भेजें या सम्पर्क कर सकते है। मोबाईल नंबर - 08107119445
Email-mediabkm@gmail.com

मन की बातें

मन की बातें - ब्र.कु.सूर्य

प्रश्न- मैं कुछ ही समय से ज्ञान मार्ग में आई हूँ। हमारे घर में हमारी देवरानी ऐसी आत्मा है जिससे सभी लोग दु:खी हैं परन्तु वो कहती है कि तुम सब मुझे बहुत तंग करते हो, अब हम क्या करें कि घर में शान्ति व खुशी का माहौल लौट आए?

उत्तर- आजकल सम्बन्धों में कड़वाहट अति विकराल रूप लेती जा रही है इसका मुख्य कारण है कि आत्माएं अपने जन्म-जन्म के कर्मों का हिसाब-किताब चूक्तु करने आ रही है। आज प्रत्येक परिवार इस समस्या से ग्रसित है। कहीं बच्चे ने जन्म लिया माँ से हिसाब चूक्तु करने के लिए तो कहीं कोई जीवात्मा पत्नी बनकर आई है वैर लेने के लिए। कहीं किसी का गहरा नाता तो जुड़ा है परन्तु उनके मन में है भयानक बदले की भावना। ये सब कारण हैं परिवार में प्यार के अभाव व स्वार्थ की अति के। इनसे मुक्त होने के लिए कुछ आध्यात्मिक प्रयास करने ही होंगे। ऐसी आत्मा के लिए आप आत्मिक भाव व शुभभावना अपनायें क्योंकि वे स्वयं ही बहुत दु:खी रहती हैं, उनके अपने ही संस्कार उन्हें सुख-चैन की नींद नहीं सोने देते। उन्हें देखकर हमेशा ये सोचें कि ये अच्छी आत्मा हैं। स्वयं सारा दिन अच्छे स्वमान में रहें, इससे श्रेष्ठ वायब्रेशन्स उस आत्मा को जायेंगे। तीसरी मुख्य बात है, आप अपनी देवरानी से सात दिन तक रोज सबेरे सच्चे मन से क्षमा याचना करें। यह काम परिवार के सभी सदस्यों को करना होगा, तब कहीं उसका मन शान्त होगा और चौथी बात - आप प्रतिदिन उसे पन्द्रह मिनट योग का दान करें।

प्रश्न- मेरे परिवार में परिस्थितियां बहुत आती हैं। इसलिए मैं अपनी श्रेष्ठ स्थिति नहीं बना सकती। इससे मन में सदा ही भारीपन रहता है। कोई सरल विधि बताइये ताकि गृहस्थ में रहते भी मेरी स्थिति श्रेष्ठ बन सके?

उत्तर- परिस्थितियाँ कहीं न कहीं हमारे पूर्व के विकर्मों की ही देन हैं। इनके कारण भी हम ही हैं व निवारण भी हमारे ही पास है, परन्तु ध्यानपूर्वक हमें इन परिस्थितियों के वश नहीं होना है अन्यथा ये हमें निर्बल करती ही रहेंगी। अपनी शक्तियों की स्मृति में रहें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और यह न भूलें कि सर्वशक्तिवान हजार भुजाओं सहित मेरे साथ है। इसका अभ्यास दिन में दस बार अवश्य करें। इससे परिस्थितियों में हल्के रहेंगे। याद रखना है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा व सब कुछ कल्याणकारी है। ईश्वरीय महावाक्य याद रखें कि स्वमान से बनती है श्रेष्ठ स्थिति व श्रेष्ठ स्थिति से नष्ट होती है परिस्थिति। इसलिए स्थिति की श्रेष्ठता हेतु सारा दिन स्वमान का अभ्यास चलता रहे। स्वमान के वायब्रेशन्स हमारे मस्तिष्क में अंकित निगेटीव वायब्रेशन्स को समाप्त कर देते हैं। इससे आपके मन का भारीपन समाप्त हो जाएगा। प्रतिदिन एक घण्टा पावरफुल योग इस स्वमान से अवश्य करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ व विघ्न विनाशक हूँ। इस योग की शक्ति से अनेक परिस्थितियाँ समाप्त हो जाएंगी। अनेक लोग इस विघ्न विनाशक योग के द्वारा विघ्नों को समाप्त कर चुके हैं।

प्रश्न- हम अपने सेवास्थान को निर्विघ्न बनाना चाहते हैं। यह बाबा की श्रेष्ठ कामना है। हम इसे पूर्ण करना चाहते हैं। इसकी सरल विधि क्या है?

उत्तर- जिस सेवाकेन्द्र पर अमृतवेले पावरफुल योग की ज्वाला जलती है, वहाँ अनेक विघ्न आने से पूर्व ही नष्ट हो जाते हैं। चाहे कुछ भी कारण हो, इस योग को सर्वाधिक महत्व देना है, यह हमारी प्राथमिकता हो। केवल उठना ही पर्याप्त नहीं है, ब्रह्म मुहूर्त में ऐसा लगे मानो बापदादा स्वयं नीचे आ गये। अपवित्रता व अहंकार ही विघ्नों का आह्वान करते हैं। अपने स्थान पर पवित्र वायब्रेशन्स बनाकर रखें। न क्रोध का वातावरण हो, न मनमुटाव का और न ही बाह्यमुखता का, क्योंकि ये भी अपवित्रता है। इसलिए सदा इस नशे में रहो कि मैं पवित्रता की देवी हूँ।

कभी-कभी बाहर के लोग भी अकारण ही विघ्न डालने लगते हैं तो विघ्नों को जल्दी से जल्दी समाप्त करें, उन्हें बढ़ने न दें। सेवास्थान पर शाम के समय या अन्य कोई समय भी एक घण्टा योगाभ्यास होना चाहिए। आने वाले भाई-बहनों में भी आप उमंग भरें कि मुरली के बाद में आधा घण्टा योग करें। आप कॉमेन्ट्री से योग कराये। शाम को भी ऐसा ही करें। योग-शक्ति ही परमात्म-शक्ति है। इसके आगे सभी विघ्न निर्बल हैं। योग की कमी से व्यर्थ संकल्पों को बढ़ावा मिलता है। जहाँ व्यर्थ संकल्प हैं, वहाँ विघ्न ही विघ्न हैं। यदि आप अपने स्थान को व्यर्थ से मुक्त कर दें तो आपका स्थान लाइट हाउस व पीस हाउस बन जायेगा।

प्रश्न -मैं एक व्यापारी हूँ, मुझे बहुत ज्यादा डिप्रेशन हो गया है। मेरे घर का वातावरण निराशा से भर गया है। मुझे न जीने को मन करता, न मरने को, न खाना अच्छा लगता, न किसी से मिलना। मुझे इससे बाहर निकलने का रास्ता बताइयें?

उत्तर- बाबा आपको अवश्य मदद करेंगे। एक अनुभव सुन लें। अभी-अभी मैं हैदराबाद में था। दो व्यापारियों ने मुझे बताया कि इक्कीस दिन के प्रयोग से वह बिल्कुल ठीक हो गये हैं, उन्हें नवजीवन मिल गया है, वे अब बहुत खुश हैं। इक्कीस दिन तक आप भी कुछ अभ्यास कर लें।

सबेरे जब भी आप उठो तो उठकर आपको उन आत्माओं से क्षमा याचना करनी है जिन्हें इस जन्म में या पूर्व जन्मों में आपसे कष्ट मिला है, उनके बुरे वायब्रेशन्स, उनकी बद्दुआएं आपको सुख से जीने नहीं दे रही हैं। क्षमा याचना इस तरह करें। उठकर फ्रेश होकर ये संकल्प करें कि मैं देवकुल की महानात्मा हूँ। फिर संकल्प करें कि पूर्व जन्मों में मेरे द्वारा जिन्हें भी कष्ट पहुँचा हो वे सूक्ष्म रूप में इमर्ज हो जाएं। तत्पश्चात करबद्ध हो उनसे सच्चे मन से क्षमा माँगें व उन्हें दुआएं दें...सब सुखी हो जाओ, शान्त हो जाओ, तुम्हारा कल्याण हो।

यज्ञ में कोई विशेष सहयोग देकर पुण्य जमा करें। बाबा को भोग लगवायें व रात को सोने से पूर्व इक्कीस दिन तक 108 बार लिखें कि मैं एक महान आत्मा हूँ। गोली धीरे-धीरे छोड़ दें, अवश्य ही आपको नवजीवन, खुशियों भरा प्राप्त होगा।

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल डॉ.के.रोसैया को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.कलावती बहन।

रांची। झारखण्ड के मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा को 'आत्म-स्मृति' का तिलक देने के पश्चात् 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.निर्मला बहन।

पुरी। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.प्रतिमा बहन।

मुंगेली। जिलाधिकारी टी.सी.महावर को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.सीमा बहन।

विले-पारले, मुम्बई। गोवा एवं महाराष्ट्र के चीफ पोस्ट मास्टर जनरल ए.के.शर्मा को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.दीपा बहन।

मणिनगर, अहमदाबाद। जैन समाज के प्रसिद्ध उद्योगपति कस्तुरभाई लालभाई ग्रुप के श्रेणीक भाई को 'रक्षा-सूत्र' बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.नंदा बहन।